>

Title: Need to establish an Agricultural University in Barwani district, Madhya Pradesh.

श्री मकनसिंह सोलंकी (खरगौन): सादर अभिवान सहित निवेदन है कि म.प्र. का खरगौन संसदीय क्षेत्र आदिवासी बाहुल्य है। भारत के राष्ट्रपति महामहिम ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी द्वारा म.प्र. के बडवानी जिले को अधिसूचित क्षेत्र घोषित किया गया था। अधिसूचित क्षेत्र का विकास शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होती है। लेकिन आजादी के 64 वर्ष बाद भी खरगोन बडवानी जिले बहुआयामी विकास से कोसों दूर है। यहां की 80 प्रतिशत जनता कृषि आधारित जीवनयापन करती है। ऐसे में क्षेत्र के विकास के लिए रेल, उद्योग, शिक्षा के लिए बहुत कुछ कार्य करने की आवश्यकता है। मेरे द्वारा लगातार रेल सेवा की मांग की जा रही है जिसको अभी तक शासन द्वारा उचित गति नहीं मिल पाई है।

क्षेत्र की जनता की ओर से विनम्र निवेदन प्रस्तुत करता हूं कि बडवानी जिला कृषि प्रधान होते हुए भी यहां पर कृषि महाविद्यालय की लगातार आवश्यकता महसूस की जा रही है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कृषि महाविद्यालय की आवश्यकता को महसूस करते हुए बडवानी जिले की आदिवासी जनता की मांग को पूर्ण करते हुए आप कृषि महाविद्यालय की स्थापना हेतु शीघ्र कार्यवाही होनी चाहिए।

जिला बड़वानी में कृषि महाविद्यालय की स्थापना निम्न कारणों से अति आवश्यक एवं औचित्यपूर्ण है।

1. संपूर्ण निमाड कृषि प्रधान क्षेत्र है तथा यहां की भूमि उपजाऊ व कृषक अत्यंत परिश्रमी है।

2. क्षेत्र में रोजगार के लिए कृषि के अतिरिक्त अन्य प्रमुख उद्योग नहीं है।

3. इंदिरा सागर परियोजना, ओंकारेश्वर परियोजना एवं जिले में निर्माणाधीन भीमानायक लोअर गोई परियोजना के कारण सिंचित क्षेत्र में निरंतर वृद्धि हो रही है।

4. आदिवासी विद्यार्थियों में शिक्षा का प्रतिशत कुशल नेतृत्व में निरंतर बढ़ रहा है।

5. बडवानी में कृषि अनुसंधान केन्द्र की स्थापना हो चुकी है। किन्तु स्नातक स्तर पर धार, खरगोंन, झाबुआ, बड़वानी आदि में कृषि विषय पर अध्ययन की व्यवस्था नहीं है।

6. जिले में 80 प्रतिशत से अधिक लोग कृषि व्यवसाय से जुडे हैं जिसमें आदिवासी समुदाय के लोगों की संख्या बहुत अधिक है।

7. परम्परागत कृषि की जगह वैज्ञानिक तरीके से खेती होने से उत्पादन बढ़ेगा।

8. सिलावद क्षेत्र में कृषि महाविद्यालय के लिए पर्याप्त भूमि भी उपलब्ध है